श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 272 जून, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

निदेशक की कलम से

प्रिय पाठकों,

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र के समाचार पत्र का अंक 'जून 2026' आपके समक्ष श्री अन्न-आधारित कृषि, मूल्य-शृंखला एवं सतत आजीविका को सुदृढ़ करने हेतु हमारे निरंतर प्रयासों की एक जीवंत झलक प्रस्तुत कर रहा है। इस माह खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर लोकसंपर्क पहल एवं उर्वरकों का संतुलित उपयोग देखा गया, जिसमें जलवायु अनुकूल उत्पादन, उत्तम गुणता युक्त बीज तक पहुंच एवं सतत खेती कार्यों पर ध्यान दिया गया। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा महाराष्ट्र में किसानों, किउसं, जनजाति समुदाय तथा अन्य हितधारकों के साथ हमारा संपर्क, प्रौद्योगिकी को प्रयोगशाला से प्रक्षेत्र तक ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टेकमल एफपीसीएल, पलवांका गांव, टेकमल मंडल, मेदक ज़िले में एक ज्वार खरीद केंद्र की स्थापना एवं श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, मशीनीकरण तथा बाजार संपर्क के लिए पहल, सुदृढ़ तथा किसान-केंद्रित श्री अन्न मूल्य-शृंखला निर्माण पर हमारे समर्पण को दर्शा रही है। संस्थान ने क्षमता निर्माण, उद्यमिता विकास एवं किउसं के संस्थागत सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी अपने प्रयास जारी रखे हुए हैं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जलवायु-अनुकूल फसलों के रूप में श्री अन्न के महत्व को फिर से रेखांकित किया गया, जो पर्यावरणीय स्थिरता, खाद्य सुरक्षा एवं पोषण में सहायक हैं। मैं श्री अन्न मिशन को आगे बढ़ाने में हमारे वैज्ञानिक, तकनीकी स्टाफ़, किउसं साझेदारों, किसानों तथा सहयोगी संस्थाओं के परिश्रम की सराहना करती हूं। हम सब, एक स्वस्थ एवं ज़्यादा स्थिर भविष्य के लिए जलवायु अनुकूल खेती, सतत रोज़गार, पोषण सुरक्षा एवं एक सुदृढ़ श्री अन्न परितंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की एक झलक - खेत बचाओ अभियान

"खेत बचाओ अभियान" भारत सरकार का शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान है। इसका उद्देश्य मृदा बेहतर स्वास्थ्य तथा वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन के माध्यम से सतत खेती को बढ़ावा देना है। यह अभियान उर्वरकों के संतुलित उपयोग, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन, हरी खाद, जैव-उर्वरक तथा फसल उगाने के दूसरे पर्यावरण अनुकूल तरीकों पर बल देता है। भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने कई प्रक्षेत्र-आधारित विस्तार गतिविधियों के माध्यम से सतत श्री अन्न-आधारित खेती प्रणाली एवं फसल उगाने की वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया। किसान सारथी पोर्टल के माध्यम से इन सभी गतिविधियों पर ध्यान रखा जाता है।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 1-30 जून 2026 के दौरान, 12 बहु-विषयक दलों के माध्यम से यह अभियान चलाया, जिसमें 14 ज़िलों के 42 गांवों में 25 प्रक्षेत्र दौरे तथा विस्तार कार्यक्रम किए गए। अभियान का ध्यान मुख्य रूप से मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन, हरी खाद, जैव-उर्वरक का उपयोग एवं जलवायु अनुकूल श्री अन्न उत्पादन पर केंद्रित था। कुल 19 जागरूकता कार्यक्रमों से 1,647 किसानों को लाभ मिला, जबकि छह किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में 324 किसान शामिल हुए। इसके अलावा, संस्थान ने सात पंचायत-स्तरीय कार्यक्रम, आगत डीलरों के साथ चार इंटरफ़ेस बैठक और किउसं, स्वयं सहायता समूह, कस्टम हाटरिंग केंद्रों, (एफआईजीएस) तथा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को शामिल करते हुए सात कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे सतत खेती हेतु वैज्ञानिक संस्तुतियों तथा सहयोगी प्रयासों के प्रसार में सहायता मिली।

इस अभियान को ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए, 52 समाचार पत्र रिपोर्ट, एक दूरदर्शन कार्यक्रम, तीन यू ट्यूब फ़ीचर, पांच इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल प्रकाशन तथा सोशल मीडिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर प्रसारित किया गया, फलस्वरूप 24,576 हितधारकों तक पहुंचा जा सका। इस अभियान को एक राज्य मंत्री तथा तीन विधायकों का भी समर्थन भी मिला। खेत बचाओ अभियान का सफल कार्यान्वयन भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा देने, किसानों की जागरूकता को सुदृढ़ करने एवं सतत श्री अन्न -आधारित उत्पादन प्रणाली को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में विश्व पर्यावरण दिवस-2026 समारोह

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 2 - 5 जून के दौरान वैश्विक विषय "जलवायु परिवर्तन कार्रवाई" के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस-2026 समारोह मनाया। इस अवसर पर कई जागरूकता तथा लोकसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें जलवायु अनुकूल कृषि में श्री अन्न की भूमिका पर बल दिया गया। हनुमान नगर, किस्मतपुर, यनकपल्ली व बल्लनपल्ली में जागरूकता कार्यक्रम और तथा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जहां किसानों को जलवायु परिवर्तन, सतत कृषि तरीकों एवं जलवायु -स्मार्ट श्री अन्न के लाभ के बारे में बताया गया। श्री अन्न की खेती तथा फ़सलों में अलग -अलग तरह के बीज प्रसार हेतु रागी, कंगनी तथा उन्नत कंगनी किस्म एसआईए 3088 के उत्तम गुणता के बीज वितरित किए गए। भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं परिसर में 5 जून को वृक्षारोपण के साथ समारोह का समापन हुआ। डॉ. बी वी भट, प्रभारी निदेशक ने सामूहिक कार्य, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत कृषि के महत्व पर बल दिया एवं परिवर्तित जलवायु परिस्थितियों में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ करने में श्री अन्न की महत्पूर्ण भूमिका पर बल दिया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन पर किसान जागरूकता कार्यक्रम तथा अनुसूचित जाति किसानों को तिरपाल वितरण

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 1 जून 2026 को तेलंगाना के महबूबनगर ज़िले के कोतुर गांव में दुंदुबी किसान उत्पादक संगठन (किउसं) में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र के अंतर्गत एक किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। किसानों को मृदा परीक्षण, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, समेकित पो षक तत्व प्रबंधन, तथा जलवायु अनुकूल श्री अन्न उत्पादन एवं बेहतर मृदा स्वास्थ्य के लिए नैनो- तथा जैव-उर्वरक के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। जीसीओई-एससीएसपी पहल के भाग के रूप में, वैज्ञानिक तरीके से अनाज सुखाने एवं भंडारण में सहायता, कटाई उपरांत क्षति को कम करने, उत्पाद गुणता व विपणन को बेहतर बनाने के लिए 100 अनुसूचित जाति के किसानों में तिरपाल वितरित किए गए। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना ने किउसं-नेस्ट दल के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा कर्नाटक में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत श्री अन्न प्रौद्योगिकी प्रदर्शन

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र के अंतर्गत खेत बचाओ अभियान में कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के परशुरामपुरा गांव में 2 जून 2026 को श्री अन्न प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से कुसुमागिरी किउसं, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश के समन्वय से 350 किसानों को लाभ मिला। तीन टन कंगनी बीज वितरित किए गए तथा बेहतर उत्पादन तकनीकों एवं जलवायु -लचीले कृषि कार्य प्रदर्शित करने हेतु प्रक्षेत्र प्रदर्शन किए गए। श्री के श्रीनिवास बाबू, वैज्ञानिक तथा डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने उत्पादकता, संसाधन-उपयोग दक्षता एवं कृषि आय बढ़ाने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, नमी संरक्षण, एकीकृत फसल प्रबंधन तथा श्री अन्न-फली अंतर-फसल पर प्रकाश डाला। डॉ. डी रफी के द्वारा समन्वय तथा डॉ. ए कलैसेकर, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की तकनीकी सहायता से श्री के श्रीनिवास बाबू एवं डॉ. संगप्पा के द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसानों के साथ चर्चा से श्री अन्न की बेहतर किस्मों, वर्षा आधारित परिस्थितियों में सतत उत्पादन के तरीकों के अं गीकरण को बढ़ावा मिला।

बालानगर किउसं में अनुसूचित जाति के किसानों में संतुलित उर्वरक उपयोग के बारे में जागरूकता

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 3 जून 2025 को बालानगर किसान उत्पादक संगठन में उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम संतुलित उर्वरकों के उपयोग, मृदा परीक्षण -आधारित एवं समेकित पोषक तत्व प्रबंधन, और मृदा स्वास्थ्य तथा फ़सल उत्पादकता को बेहतर बनाने के लिए मैक्रो- और सूक्ष्म पोषक तत्वों के कुशल उपयोग पर केंद्रित था। किसानों को पोषक तत्व -उपयोग दक्षता बढ़ाने तथा आगत लागत को कम करने के लिए जैव-उर्वरक तथा नैनो-उर्वरक के लाभ के बारे में भी बताया गया। परस्पर चर्चा सत्र ने सतत व लाभप्रद श्री अन्न उत्पादन के लिए वैज्ञानिक उर्वरक प्रबंधन पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया। श्री के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा, तथा दल ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

श्री अल्लूरी किउसं के द्वारा एएसआर जिले के आदिवासी किसानों में उत्तम गुणता युक्त श्री अन्न बीज वितरण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं प्रवर्तित श्री अल्लूरी किसान उत्पादक संगठन ने 5 जून 2026 को आदिवासी किसानों को उत्तम गुणता युक्त श्री अन्न, धान एवं मूंगफली के बीज आपूर्ति को सुकर बनाया। कृविकें तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद से प्राप्त बीज, मुलिया पुट्टु तथा थडिगिरी ग्राम पंचायतों के किसानों में वितरित किए गए ताकि समय पर बुआई में सहायता मिले और फसल स्थापन, अंकुरण, उत्पादकता तथा आगत-उपयोग दक्षता बेहतर हो सके। इस पहल से खेती की आय बढ़ने, उत्पादन खतरा कम होने तथा खेती हेतु अपेक्षित सेवा देने में किउसं की भूमिका सुदृढ़ होने की आशा है। श्री अल्लूरी किउसं के सीईओ तथा निदेशक मंडल ने डॉ. संगप्पा और श्री के श्रीनिवास बाबू, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

वैज्ञानिक मार्गदर्शन तथा आगत सहायता के साथ जलवायु-स्मार्ट श्री अन्न खेती को प्रोत्साहन

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने श्री अन्न की सतत खेती एवं वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए, एआरएस, विजयनगरम, आएनजीरंकृविवि के सहयोग से खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत 9 जून 2026 को धर्मपुरी गांव, विजयनगरम जिले, आंध्र प्रदेश में उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा वैज्ञानिक आगत प्र बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री के श्रीनिवास बाबू, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने किसानों को संतुलित उर्वरक अनुप्रयोग, मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन और मृदा स्वास्थ्य, पोषक तत्व-उपयोग दक्षता एवं श्री अन्न उत्पादकता में सुधार के लिए स्थूल व सूक्ष्म पोषक तत्वों के कुशल उपयोग के बारे में शिक्षित किया। जीसीओई -एससीएसपी पहल के अंतर्गत, वैज्ञानिक फसल उत्पादन और कटाई उपरांत प्रबंधन का समर्थन करने के लिए 150 अनुसूचित जाति के किसानों में उत्तम गुणता युक्त श्री अन्न के बीज, स्प्रेयर और ति रपाल वितरित किए गए। श्री के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा और डॉ. ए कलैसेकर द्वारा डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के मार्गदर्शन में उत्पादकता बढ़ाने, कटाई उपरांत क्षति को कम करने तथा किसानों की आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से यह परियोजना शुरू की गई है।

टेकमल एफपीसीएस, पलवंका गांव, टेकमल मंडल, मेदक जिले में ज्वार खरीद केंद्र का उद्घाटन

श्री अन्न किसानों के लिए बाजार पहुंच को सुदृढ़ करने तथा उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए, टीएस मार्कफेड की न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की तकनीकी सहायता से, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र के अंतर्गत, तेलंगाना के मेदक ज़िले के पलवंचा गांव में टेकमल मंडल किसान कोऑपरेटिव सोसाइटी में 10 जून 2026 को एक ज्वार खरीद केंद्र बनाया गया। यह तेलंगाना का पहला किउसं है जिसे न्यूनतम समर्थन मूल्य कार्यक्रम के अंतर्गत ज्वार खरीद केंद्र मिला है। इस पहल का उद्देश्य किसानों के लिए सामूहिक खरीद को आसान बनाना, बाजार संपर्क को सुदृढ़ करना तथा बेहतर मूल्य प्रदान करना है। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने टेकमल मंडल में ज्वार की खेती के 2016 में लगभग 80 एकड़ से बढ़कर 2025-26 में लगभग 808 एकड़ होने पर प्रकाश डाला। डॉ. डी रफ़ी, अनुसंधान सहयोगी एवं कृषि-व्यवसाय विशेषज्ञ ने किउसं के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य-आधारित खरीद तथा सामूहिक विपणन पर बल दिया। डॉ. संगप्पा, डॉ. अमसिद्ध, डॉ. रफी, निदेशक मंडल के सदस्यों, टीएस मार्कफेड तथा कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कि सानों ने इस केंद्र का उद्घाटन किया।

सतत मूल्य-शृंखला के लिए श्री अन्न किउसं के सुदृढ़ीकरण पर विशेषज्ञ व्याख्यान

डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने "श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन में नवीनतम प्रगति" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में, 18 जून 2026 को "श्री अन्न किउसं : किसानों तथा उपभोक्ताओं के बीच संबंध जोड़ना " पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इस सत्र में सामूहिक विपणन, आगत तथा प्रौद्योगिकी तक बेहतर पहुंच, मूल्यवर्धन, ब्रांडिग, पैकेजिग, एवं बेहतर मूल्य प्रदान करने हेतु सीधे किसान -उपभोक्ता संपर्क के माध्यम से श्री अन्न मूल्य-शृंखला को सुदृढ़ करने में किसान उत्पादक संगठन की भूमिका पर बल दिया गया।

एस कोटा तथा अल्लूरी सीताराम राजू जिलों में आं.प्र. किउसं की प्रक्षेत्र निगरानी तथा समीक्षा दौरा

किउसं नेस्ट दल, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने किउसं की गतिविधियों, आधारभूत ढांचे के उपयोग तथा व्यवसाय संचालन का आकलन करने हे तु 18 जून 2026 को आंध्र प्रदेश के एस कोटा तथा अल्लूरी सीताराम राजू ज़िलों का दौरा किया। एस कोटा किउसं में दाल प्रसंस्करण एकक का परीक्षण संचालन किया गया तथा प्रसंस्क रण दक्षता, वसूली तथा उत्पाद गुणता को बेहतर बनाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। डॉ. रफ़ी ने मूल्यवर्धन, एकत्रीकरण, बाजार संपर्क तथा संस्थागत स्थिरता पर चर्चा करने के लिए निदेशक मंडल, किउसं सदस्यों एवं किसानों से चर्चा की। वित्तीय तथा विधिक अभिलेखों की भी समीक्षा की गई, जिसमें बेहतर प्रशासन, अभिलेख रखरखाव तथा दीर्घकालीन लाभ के लिए सुझाव दिए ग ए। यह दौरा डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

प्रक्षेत्र स्तरीय मार्गदर्शन एवं प्रशासनिक समन्वय के माध्यम से आदिवासी किउसं का सुदृढ़ीकरण

किउसं-नेस्ट दल, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 19 जून 2026 को आंध्र प्रदेश के एएसआर जिले में गिरिसिरी तथा श्री मत्स्यदेवता किसान उत्पादक कंपनियों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने व्यवसाय प्रगति, प्रशासन, अनुपालन, मूल्यवर्धन तथा बाजार संपर्क की समीक्षा की। ज़िलाधीश के साथ बैठक के बाद लंबसिंगी तथा पडेरू में किउसं श्री अन्न प्रसंस्करण एकक के लिए प्राथमिक बिजली कनेक्शन का आश्वासन दिया गया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना के मार्गदर्शन में संपन्न इस दौरे ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के लचीले, बाजारोन्मुख आदिवासी किउसं को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता सुनिश्चित की।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं प्रवर्तित किउसं के द्वारा संपूर्ण कर्नाटक में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के किउसं ने 21 जून 2026 को कर्नाटक के गांवों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, जिसमें किसान, किउ सं सदस्य, छात्र तथा स्थानीय लोग एक साथ आए। सहभागियों ने योग, प्राणायाम तथा ध्यान किया, इसके अलावा पोषण एवं स्वस्थ जीवन शैली पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए, जिसने ग्रा मीण समुदायों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा पीएम-किसान उत्सव दिवस, तथा किसान कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का स्मरण

भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी करने के अवसर पर भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में पीएम-किसान उत्सव दिवस मनाया गया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने किसान परिवारों को समर्थन देने वाली इस योजना के बारे में बताया तथा किसानों को उत्तम गुणता युक्त बीज, बेहतर प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक फसल प्रबंधन एवं जलवायु अनुकूल खेती के लिए इस सहायता का उपयोग करने के लिए बढ़ावा दिया। उन्होंने पोषण सुरक्षा, संसाधन संरक्षण एवं वर्षा आधारित किसानों की आजीविका को बेहतर बनाने में श्री अन्न की भूमिका पर भी बल दिया। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना व कर्नाटक में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित किउसं से जुड़े किसानों, किउसं सदस्यों, महिला किसानों और ग्रामीण युवाओं ने कार्यक्रम के सीधे प्रसारण में भाग लिया। इस कार्यक्रम ने प्रौद्योगिकी प्रसार, संस्थागत सहायता तथा श्री अन्न-आधारित सतत खेती के विकास के माध्यम से किसानों की आजीविका को सुदृढ़ करने हेतु भाकृअनुप - भाश्रीअनुसं की प्रतिबद्धता को सुनिश्चित किया।

मत्स्यदेवता किउसं ने क्षमता निर्माण और प्रक्षेत्र मशीनीकरण के माध्यम से किसान सहायता का सुदृढ़ीकरण

मत्स्यदेवता किउसं ने 21 जून 2026 को पुट्टाडिगोंडी गांव में बीसीटी कृविकें के द्वारा आयोजित किसान जागरूकता कार्यक्रम में भाग लि या। जनजातीय उप योजना (टीएसपी) अनुदान के अंतर्गत सदस्य किसानों के सहायतार्थ किउसं को समय पर फसल प्रबंधन, सटीक बुआई और कुशल आगत उपयोग हेतु 5 पावर स्प्रेयर तथा 2 हैंड-पुश सीड ड्रिल प्रदान किए गए। किउसं के प्रतिनिधियों ने प्रस्तावित ग्रामीण उद्योग पार्क की समीक्षा के लिए संयुक्त ज़िलाधीश श्रीमती पूजा तिरुमणि से भी भेंट की, जिससे खेती करने वाले आदिवासी समुदायों के लिए मूल्यवर्धन, कृषि -प्रसंस्करण, उद्यमिता, रोजगार एवं बेहतर आजीविका को बढ़ावा मिलने की आशा है।

कस्टम हायरिंग केंद्र सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु महबूबनगर किउसं की प्रक्षेत्र समीक्षा

श्री प्रशांत (किउसं-नेस्ट) तथा श्री गंगाधर (आईसीआईसीआई फाउंडेशन) ने 23 जून 2026 को महबूबनगर जिले के चार किउसं में आईसीआईसीआई फाउंडेशन द्वारा समर्थित कस्टम हायरिंग केंद्रों की प्रक्षेत्र समीक्षा की। दल ने किउसं प्रतिनिधियों तथा किसानों के साथ चर्चा करके मशीनों के उपयोग, रखरखाव, सेवापूर्ति तथा प्रचालन चुनौतियों का आकलन किया, जिसमें छोटे तथा सीमांत किसानों के लिए सतत एवं सस्ती मशीनीकरण सेवा को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया।

कुसुमागिरी किउसं के द्वारा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में अनाज से उद्यम तक : श्री अन्न मूल्यवर्धन अवसरों की संभावनाओं की खोज

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 23-24 जून 2026 को कुसुमागिरी किसान उत्पादक संगठन (किउसं) के 33 सदस्यों के लिए श्री अन्न मूल्यवर्धन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। सहभागियों को पीजेटीएयू श्री अन्न बेकरी एकक तथा श्री अन्न प्रसंस्करण एकक में श्रीअन्न -आधारित बेकरी तथा खाने को तैयार उत्पाद बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम ने श्री अन्न-आधारित उद्यम स्थापित करने तथा सतत आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए सहभागियों के तकनीकी त था उद्यमिता कौशल को बढ़ाया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक (किउसं परियोजना) ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

टेकमल किउसं किसानों में उत्तम गुणता युक्त बीज वितरण के माध्यम से जलवायु अनुकूल खेती का सुदृढ़ीकरण

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 24 जून 2026 को तेलंगाना के मेदक ज़िले के बोडमतपल्ली गांव में टेकमल किसान उत्पादक संगठन के अंतर्गत मंडल कृषि अधिकारी की उपस्थिति में उत्तम गुणता युक्त बीज वितरण कार्यक्रम आयोजिक किया। अल नीनो से होने वाले नमी तनाव से निपटने के लिए, संस्थान ने ज़्यादा पानी वाले धान से लेकर जलवायु अनुकूल पीली ज्वार (पीवाईपीस-2) तथा लाल चना (टीडीआरजी-59) तक फसल विविधिकरण को बढ़ावा दिया। फ़सल मौसम से पूर्व, समय परबीज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किउसं सदस्यों में दोनों फ़सलों के उत्तम गुणता युक्त बीज वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य पानी उपयोग दक्षता में सुधार करना, खेती की उत्पादकता ब ढ़ाना, जलवायु से जुड़े उत्पादन खतरों को कम करना, मृदा उर्वरता को सुदृढ़ करना तथा सतत एवं सुदृढ़ खेती प्रणाली को बढ़ावा देना है।

खेत बचाओ अभियान द्वारा विकाराबाद में मृदा पुनःउर्वरण, खेतों का सुदृढ़ीकरण

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन तथा सतत फसल उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 30 जून 2026 को तेलंगाना के विकाराबाद में खेत बचाओ अभियान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। किसानों को मृदा एवं फसल अपेक्षाओं के आधार पर वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में बताया गया ताकि मृदा उर्वरता बेहतर हो, पोषक तत्व-उपयोग दक्षता बढ़े, खेती का खर्च कम हो एवं उत्पादकता बनी रहे। कार्यक्रम में जलवायु-अनुकूल फसलों के रूप में श्री अन्न की भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा सतत खेती के लिए मृदा स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया गया। पारस्परिक चर्चाओं से किसानों को अपने अनुभव साझा करने तथा मृदा एवं फसल प्रबंधन के बेहतर तरीके अपनाने में सहायता मिली।

जलवायु अनुकूल दालों की खेती के उत्पादन एवं बाज़ार संपर्क पर किसान संवाद

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा नैफेड, कर्नाटक के सहयोग से प्रवर्तित ग्राम विश्वास फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने कर्ना टक के बीदर जिले के श्रीमाली गांव में 30 जून 2026 को "एल

नीनो परिस्थितियों में जलवायु अनुकूल कृषि के लिए अरहर व उड़द का उत्पादन एवं विपणन" पर एक किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम से लगभग 60 किसान लाभान्वित हुए। श्री प्रशांत, विपणन कार्यकारी अधिकारी, नैफेड ने जलवायु अनुकूल दालों के उत्पादन, बाजार प्रवृत्ति तथा सामूहिक विपणन में कि उसं की भूमिका पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इस संवाद सत्र ने किसानों को जलवायु अनुकूल खेती के तरीकों के बारे में जागरूक किया तथा बेहतर खेती की आय के लिए बाजार संपर्क को सुदृढ़ कि या।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा कलबुर्गी जिले में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत उर्वरक के संतुलित उपयोग पर चार दिवसीय किसान जागरूकता अभियान

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के अलंद ताल्लुका के गांवों में 15 -18 जून 2026 तक "फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग " पर चार दिवसीय किसान जागरूकता तथा लोकसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अभियान के द्वाका ग्राम सभाओं, किसान चर्चा तथा किसान गोष्ठी के माध्यम से 420 से ज़्यादा किसान लाभान्वित हुए। इस अभियान में मृदा परीक्षण आधारित उर्वरकों के उ पयोग, बीजोपचार प्रौद्योगिकी, जैव-उर्वरक, जैवनियंत्रण कारक, फसल आवर्तन, मिश्रित खेती, प्राकृतिक खेती तथा जलवायु-अनुकूल खेती के लिए सतत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दिया गया। किसानों ने तकनीकी सत्र तथा पारस्परिक चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा बेहतर उत्पादन के तरीकों को अपनाने में गहरी रुचि द शाई। डॉ. गणपति के एन, डॉ. राजेश जी तथा डॉ. सूगण्ण ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

तेलंगाना के मेदक जिले में खेत बचाओ अभियान

तेलंगाना के मेदक जिले के नरसापुर मंडल के अहमदनगर गांव में कृषि विज्ञान केंद्र और डॉ. रामानायडू-एकलव्य ग्रामीण विकास फाउंडेशन के सहयोग से 22 जून 2026 को खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 किसानों एवं सरपंच श्री पी मधुकर रेड्डी ने भाग लिया, जिसमें डॉ. हरिप्रसन्ना के, प्रधान वैज्ञानिक तथा डॉ. दीपिका सी, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के अलावा कृविकें के विशेषज्ञों ने तकनीकी सत्र दिए। किसानों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, उर्वरकों के संतुलित उ पयोग, समेकित पोषक तत्व तथा पीड़क प्रबंधन, पीड़कनाशी के सुरक्षित उपयोग, श्री अन्न फसल विविधिकरण तथा सतत खेती के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया। श्री अन्न के पोषण लाभ तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने एवं खाद्य तेल के आयात पर निर्भरता कम करने हेतु खाद्य तेल की खपत कम करने के बारे में भी जागरूकता पैदा की गई।

तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में खेत बचाओ अभियान

ब्राह्मणपल्ली गांव, पेद्दापल्ली जिले और कृषि अनुसंधान केंद्र (एआरएस), करीमनगर, तेलंगाना में तेलंगाना रैतु विज्ञान केंद्र (टीआरवीके) तथा एआरएस, करीमनगर के साथ 23 जून 2026 को खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में इस क्षेत्र के लगभग 250 किसान शामिल हुए। डॉ. अनुराधा नरेला, डॉ. श्रीनिवास ए तथा डॉ. दीपिका सी, वैज्ञानिक,भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने टीआरवीके तथा एआरएस के वैज्ञानिक एवं अधिकारियों के साथ मिलकर किसानों से मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग, समेकित पोषक तत्व तथा पीड़क प्रबंधन, एवं सतत खेती के तरीकों पर चर्चा की। किसानों को मृदा स्वास्थ्य सुधारने, आगत लागत कम करने एवं पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए श्री अन्न-आधारित फसल विविधिकरण अपनाने हेतु भी बढ़ावा दिया गया।

तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में एससीएसपी प्रशिक्षण कार्यक्रम

ब्राह्मणपल्ली गांव, पेद्दापल्ली जिले और कृषि अनुसंधान केंद्र (एआरएस), करीमनगर, तेलंगाना में तेलंगाना रैतु विज्ञान केंद्र (टीआरवीके) तथा एआरएस, करीमनगर के साथ मिलकर 23 जून 2026 को एक दिवसीय अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से अनुसूचित जाति के लगभग 250 किसानों को लाभ मिला। डॉ. अनुराधा नरेला, डॉ. श्रीनिवास ए तथा डॉ. दीपिका सी, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने टीआरवीके तथा एआरएस के वैज्ञानिक के साथ किसानों से श्री अन्न -आधारित फसल विविधिकरण, उन्नत कृषि-कार्यों एवं श्री अन्न के पोषण लाभ पर चर्चा की। सतत एवं जलवायु-अनुकूल श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्तम गुणता के श्री अन्न के बीज तथा नैनो यूरिया वितरित किए गए।

ट्रेडमार्क पंजीकरण स्वीकृत

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद को 20 जून 2026 को ट्रेडमार्क पंजीकरण प्राप्त हो गया। निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद-500030, तेलंगाना के प्रतिनिधित्व में भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के नाम पर आधिकारिक रूप से ट्रेडमार्क पंजीकृत किया गया है, जो संस्थान के बौद्धिक संपदा संग्रह को सुदृढ़ करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 24 जून, 2026 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) की 77वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं तथा अध्यक्ष, राकास के औपचारिक स्वागत संबोधन से हुआ। अन्य सदस्य डॉ. बी वेंकटेश भट, प्रभारी पीएमई कक्ष; डॉ. ए कलैसेकर, प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी; डॉ. जे स्टेनली, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, न्यूट्रीहब; डॉ. जिनु जेकब, प्रभारी, हिंदी कक्ष; डॉ. ए श्रीनीवास, कृषि वस्तार; श्री के श्रीनिवास बाबू, प्रभारी, प्रक्षेत्र; डॉ. सूगण्ण, प्रभारी, पुस्तकालय; श्री शिवप्रसाद पेरुमल्ला, प्रशासनिक अधिकारी; श्री एच एस गावली, प्रभारी-वित्त एवं लेखा अधिकारी तथा सदस्य सचिव, डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) चर्चा के दौरान उपस्थित थे। बैठक के दौरान, सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों , अर्थात क्षेत्रीय केंद्रों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा , जांच बिंदु निर्धारण, हिंदी पुस्तकों की खरीद पर चर्चा की गई तथा सकारात्मक निर्णय लिए गए। अंत में डॉ. महेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हिंदी कार्यशाला

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में राजभाषा कार्यान्वयन में तेजी लाने के प्रयोजन से 25 जून, 2026 को संस्थान के स्थाई एवं युवा पेशेवर शामिल सभी प्रशासनिक अधिकारियों हेतु

हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य कर्मचारियों में हिंदी में कार्य करने हेतु झिझक को दूर करना था। कार्य शाला के प्रारंभ में श्री शिवप्रसाद पेरूमल्ला, प्रशानिक अधिकारी ने सहभागी कार्मिकों को राजभाषा कार्यान्वयन की अपेक्षाओं के बारे में बताया तथा डॉ. महेश कुमार , सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने राजभाषा कार्यान्वयन की अपेक्षाओं को पूर्ण करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में 15 कार्मिकों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 21 जून 2026 को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" मनाया। डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने अपने संबोधन में कहा कि योग स्वयं मज़बूत बनाने में सहायता प्रदान करता है, जिससे हमारा व्यक्तिगत स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा एक सकारात्मक एवं मिलनसार समाज का निर्माण होता है। भाश्रीअनुसं के अनुसंधान सहयोगी, शोध अध्येता एवं करार आधारित कार्मिक शामिल संपूर्ण स्टाफ़ ने इस कार्यक्रम में पूरे उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया।

सेवा-निवृत्त

श्रीमती एन कनक दुर्गा, निजी सचिव, भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं ने अपनी पूरी निष्ठा के साथ संस्थान को 36 वर्षों तक सेवाएं प्रदान करने के बाद 30 जून 2026 को सेवा-निवृत्त हुईं। डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने उन्हें शॉल भेंटकर सम्मानित किया तथा एक स्मृति-चिह्न प्रदान किया। संस्थान के स्टाफ़ ने उनकी दीर्घकालिन सेवा, ईमानदारी एवं समर्पण के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। हम उनके सुखद, स्वस्थ व समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते हैं।

करार/समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	अन्य पक्ष	उद्देश्य
20/06/2026	द्रविड़ किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड	क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, बाजार संपर्क तथा किउसं सदस्यों के लिए सतत आजीविका को बढ़ावा देकर श्री अन्न -आधारित मूल्य-शृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एक सहयोगी ढांचे का निर्माण
22/06/2026	प्रो. पी के खोसला, कुलपति, शूलिनी विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश	सहयोगी अनुसंधान, क्षमता निर्माण, श्री अन्न को बढ़ावा देना एवं छात्र अनुसंधान

प्रशिक्षण कार्यक्रम

शीर्षक	प्रायोजक अभिकरण	तिथि	अवधि (दिनों में)	सहभागियों की संख्या	सहभागियों की श्रेणी
आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के किलागुडा गांव में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम	जीसीओई एससीएसपी	10 जून 2026	1 दिन	80	किउसं, किसान, स्वंय सहायता समूह, गैर-सरकारी संगठन, उद्यमी
खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत हल्ली गांव, बसवकल्याण ताल्लुका, बीदर जिले में खेती की आधुनिक प्रौद्योगिकियों से आम कृषकों का सशक्तिकरण	अमृतवाहिनी किउसं और केवीके बीदर	12 जून 2026	1 दिन	120	किउसं, किसान
किसानों के लिए श्री अन्न प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण	एटीएमए, धाराशिव, महाराष्ट्र	26 जून 2026	1 दिन	35	किउसं, किसान

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. पी संजना रेड्डी	सतत कृषि-खाद्य प्रणाली हेतु लैंगिक दृष्टिकोण के साथ कृषि अनुसंधान को सुदृढ़ करना	भाकृअनुप- केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर	भाकृअनुप-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	प्रत्यक्ष	01-05 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भारतीय किसान द्वारा आयोजित बैठक	भारतीय किसान, नई दिल्ली	नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	10 जून 2026

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप सीएसआर तथा प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो रोडशो शृंखला 2026 एवं भाकृअनुप सीएसआर सम्मेलन 2026 हेतु बैठक	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद।	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	ऑनलाइन	12 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	रैंप कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण एमएसएमई के लिए ब्रांडिंग, पैकेजिंग तथा विपणन को सुदृढ़ करने पर एमएसएमई के प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, न्यूट्रिहब और टीएनएपेक्स	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	16 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	20 जून 2026 को पीएम-किसान उत्सव दिवस के आयोजन के संबंध में उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भाकृअनुप द्वारा आयोजित बैठक	भाकृअनुप, नई दिल्ली	भाकृअनुप, नई दिल्ली	ऑनलाइन	16 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के दौरे के दौरान बोर्न प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के साथ चर्चा	बोर्न प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड, कोयंबटूर	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	16 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	जैवईंधन उत्पादन के लिए श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए वासवी शुगर इंडस्ट्रीज तथा इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी के अधिकारियों के साथ बैठक	वीएसआई-आईएफजीई	वीएसआई-आईएफजीई	ऑनलाइन	17 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	बोर्ड ऑफ स्टडीज (लाइफ साइंस/ जैवप्रौद्योगिकी) की 16वीं बैठक	श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर	श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर।	ऑनलाइन	18 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	इंडिया-जर्मनी त्रिकोणीय सहोयगी कार्यक्रम के अंतर्गत इथियोपिया में श्री अन्न परियोजना के बारे में जीआईजेड तथा इक्रिसेट दल के साथ बैठक	इक्रिसेट, हैदराबाद	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	18 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली की अध्यक्षता में मैजिक 2026 के लिए समिति अध्यक्ष के साथ बैठक	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	19 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप सीएसआर प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो रोडशो 2026	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद।	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	20 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	श्री अन्न पुनरुत्थान	ब्लूमबर्ग न्यूज़, सिंगापुर	ब्लूमबर्ग न्यूज़, सिंगापुर	ऑनलाइन	23 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	"वर्षा आधारित कृषि परिदृश्य में जलवायु लचीलेपन की पुनर्कल्पना" विषय पर विचार-विमर्श सत्र	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली	एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	27 जून 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप सोसाइटी की 266 वीं शासी निकाय बैठक में सदस्य	भाकृअनुप, नई दिल्ली	एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	29 जून 2026

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब

डॉ. विकास कुमार तथा डी रेवती

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in